बाईबल फॉर चिल्ड्रन
प्रस्तुत करता है

पहला ईस्टर

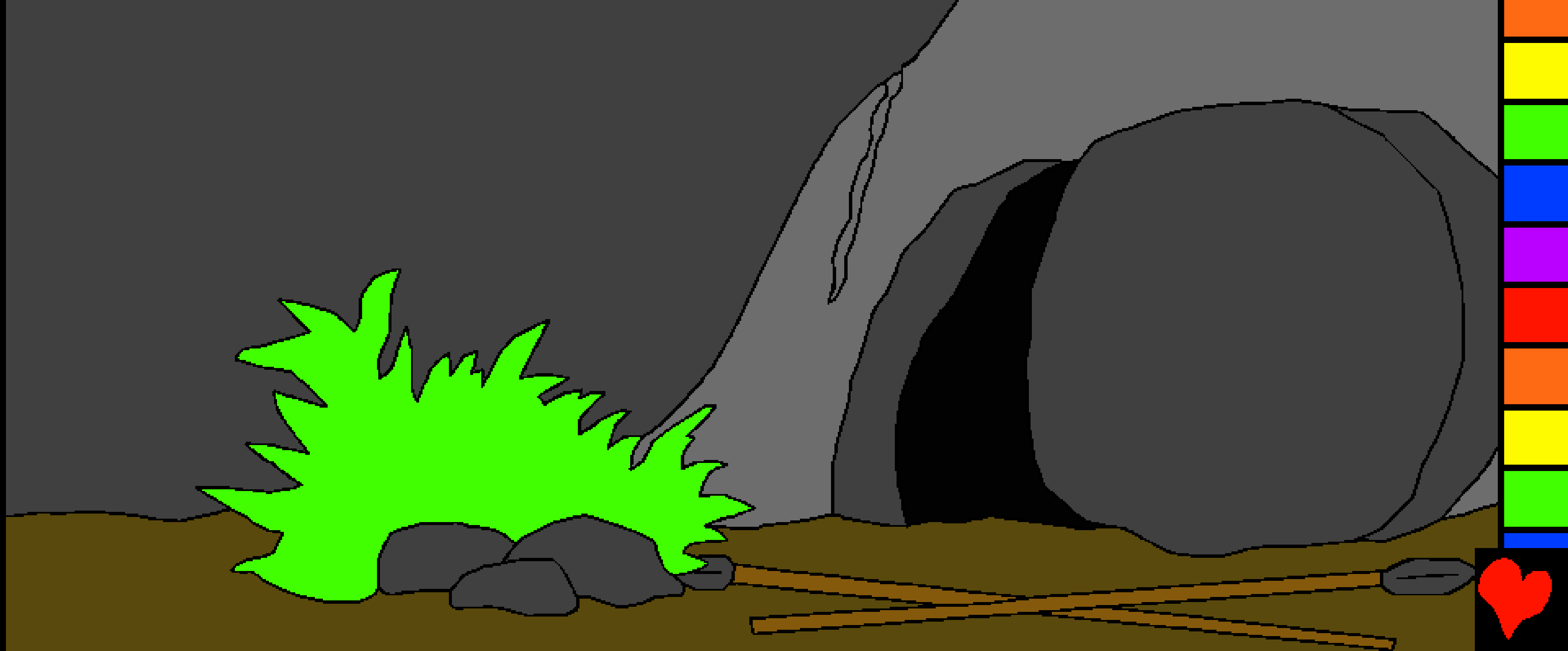

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याता: Janie Forest
Alastair Paterson

अनुकूलक: Lyn Doerksen

अनुवादक: christian-translation.com

निर्माता: Bible for Children
www.M1914.org

©2020 Bible for Children, Inc.
लाइसेंस: आपको इस कहानी की नक़ल बनाने या छापने का अधिकार है, जब तक कि आप इसे बेचते नहीं हैं।

एक औरत शोर वाली पहाड़ी पर खड़ी थी, उसकी उदास आँखें एक भयानक मन्ज़र को देख रही थीं। उसका बेटा मर रहा था। वह माँ मरियम थी, और वह उस जगह के पास खड़ी थी जहाँ यीशु को एक सलीब पर कीलों से ठोका गया था।

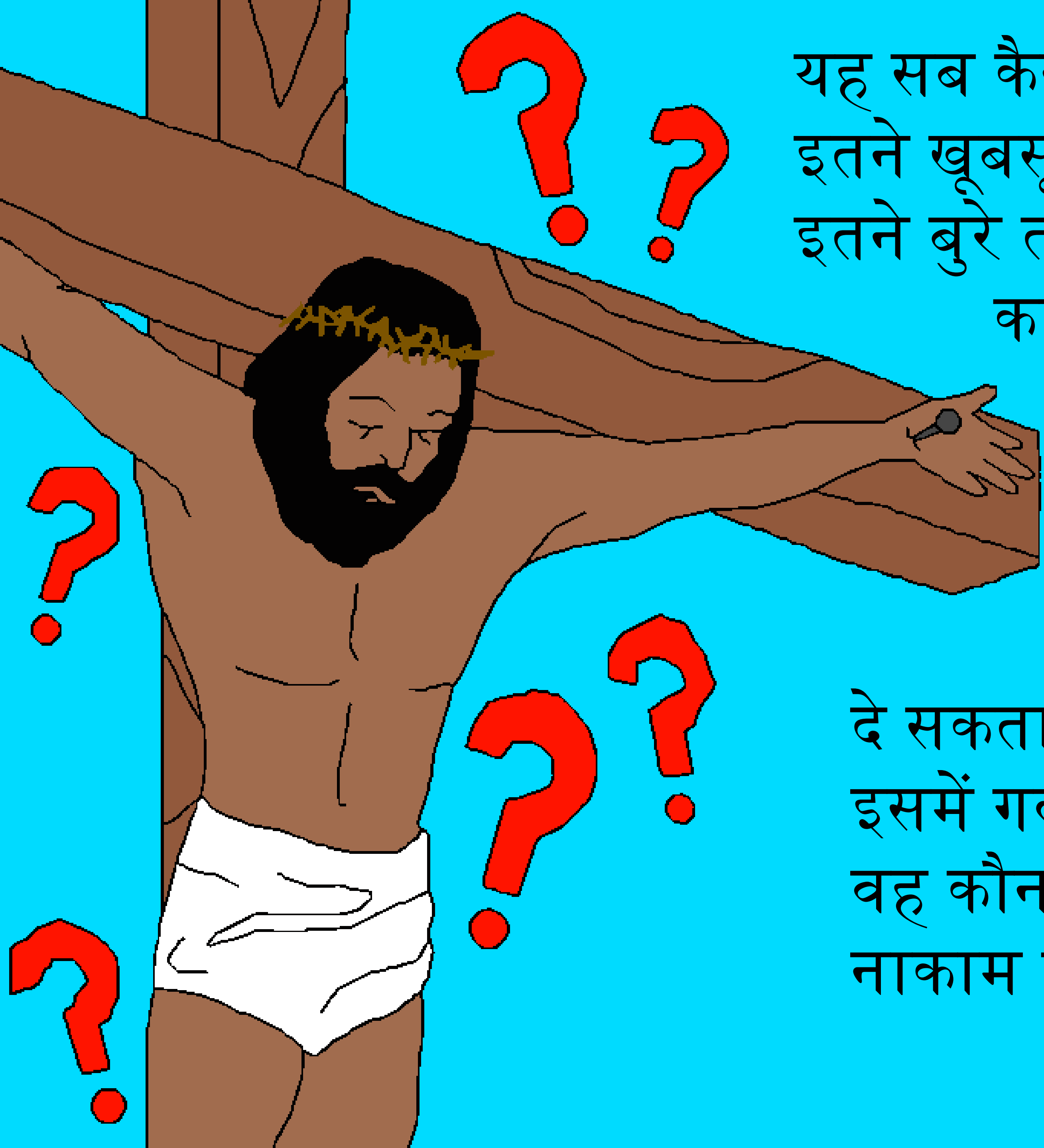

यह सब कैसे हो गया? यीशु इतने खूबसूरत जीवन को इतने बुरे तरीके से कैसे ख़तम कर सकता था? खुदा वहाँ अपने बेटे को सलीब पर कीलों से ठोकने और मरने कैसे दे सकता था? क्या यीशु ने इसमें गलती की थी कि वह कौन है? क्या खुदा नाकाम हो गया था?

नहीं! खुदा नाकाम नहीं हुआ था। यीशु ने कोई गलती नहीं की थी। यीशु को हमेशा पता था कि उसे बुरे लोगों द्वारा मौत के घाट उतार दिया जाएगा। जब यीशु एक बच्चा हि था, तभी शिमोन नाम के एक बुजुर्ग आदमी ने मरियम से कहा था कि आगे उदासी है।

यीशु के मारे जाने के
कुछ दिन पहले, एक औरत
आई और उसके पैरों पर
खुशबूदार इत्र डाला।
"वह पैसे बर्बाद कर रही है,"
चेलों ने शिकायत की। "उसने अच्छा
काम किया है," यीशु ने कहा। "उसने यह मेरे
जनाज़े के लिए किया है।" कितने अजीब शब्द थे!

इसके बाद, यीशु के बारह चेलों में से एक, यहूदा, चांदी के **30** सिक्को के लिए महायाजकों से मिलकर यीशु को धोखा देने के लिए सहमत हो गया ।

यहूदी फसह के पर्व पर, यीशु ने अपने चेलो के साथ आखिरी खाना खाया। उसने उन्हें खुदा और उससे प्यार करने वालों के साथ उसके किये वायदों के बारे में अद्भुत बातें बताईं। तब यीशु ने उन्हें बाँटने के लिए रोटी और प्याला दिया। ये उन्हें याद दिलाने के लिए था कि यीशु का शरीर और लहू पापों की क्षमा दिलाने के लिए दिया गया था।

तब यीशु ने अपने दोस्तों से कहा कि उसके साथ धोखा किया जाएगा, और वे भाग जाएँगे। "मैं नहीं भागूँगा," पतरस ने जोर देकर कहा। यीशु ने कहा "मुर्गे के बांग देने से पहले, तू मेरा तीन बार इंकार करेगा"।

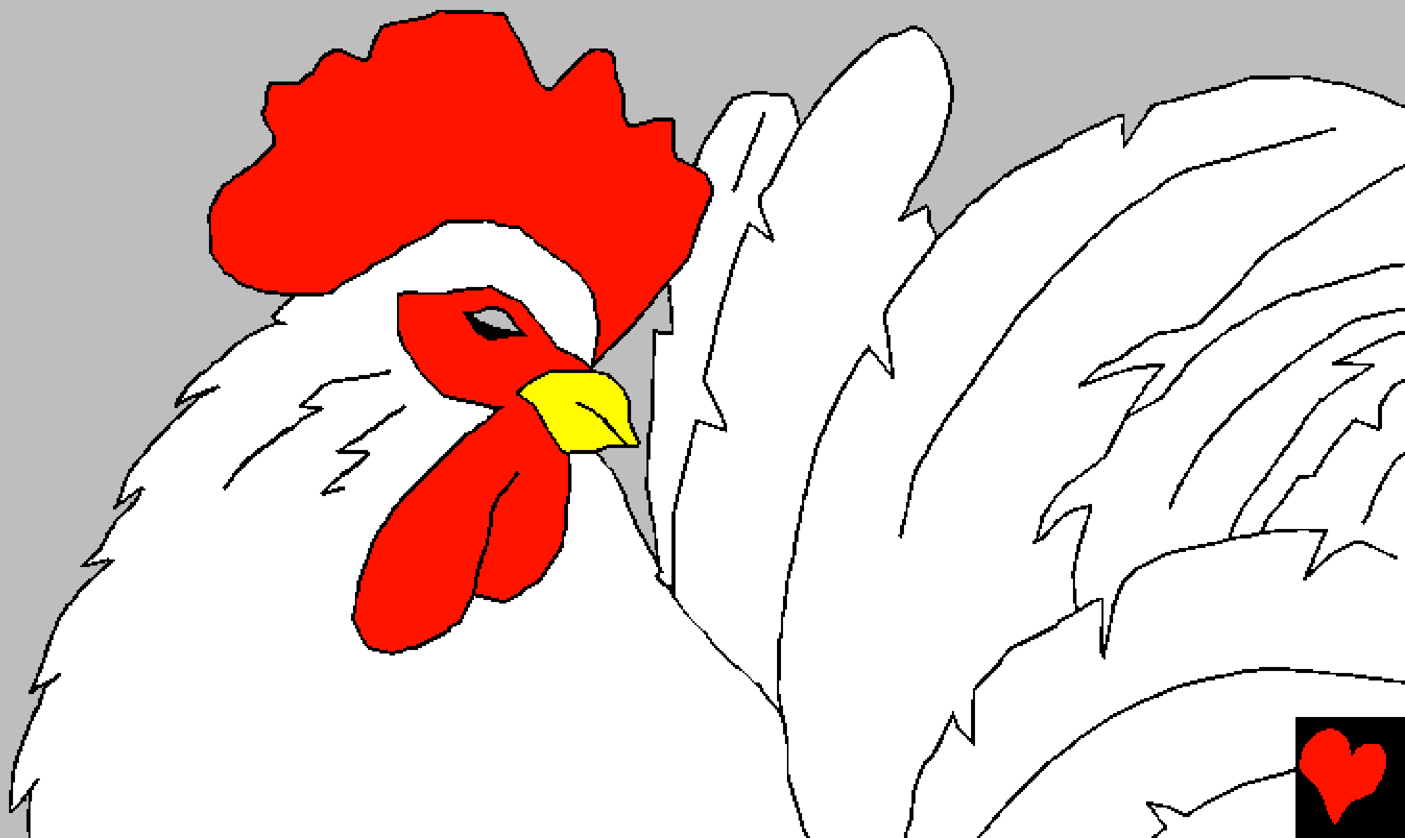

उसी रात देर में, यीशु
गतसमनी बाग़ में दुआ
करने गया। चेले जो
उसके साथ थे, सो गए।
"हे मेरे पिता," यीशु ने
दुआ की, "... हो सकता
है तो इस प्याले को मेरे
पास से हटा दे। लेकिन
मेरी नहीं तेरी मर्ज़ी
पूरी हो।"

अचानक यहूदा के नेतृत्व में एक भीड़ बाग़ में आ गई। यीशु ने विरोध नहीं किया, लेकिन पतरस ने एक आदमी का कान काट दिया। चुपचाप, यीशु ने उस आदमी के कान को छुआ और उसे चंगा किया। यीशु जानता था कि उसकी गिरफ्तारी खुदा की मर्जी का हिस्सा है।

भीड़ यीशु को महायाजक के घर ले गई। वहाँ, यहूदी नेताओं ने कहा कि यीशु को मरना चाहिए। पास में, पतरस नौकरों की आग के पास खड़ा हुआ और देखता रहा। तीन बार लोगों ने पतरस को देखा और कहा, "तु यीशु के साथ था!" तीन बार पतरस ने इससे इनकार किया, जैसा कि यीशु ने कहा था कि वह करेगा। पतरस ने शाप दिया और क़सम भी खाई ।

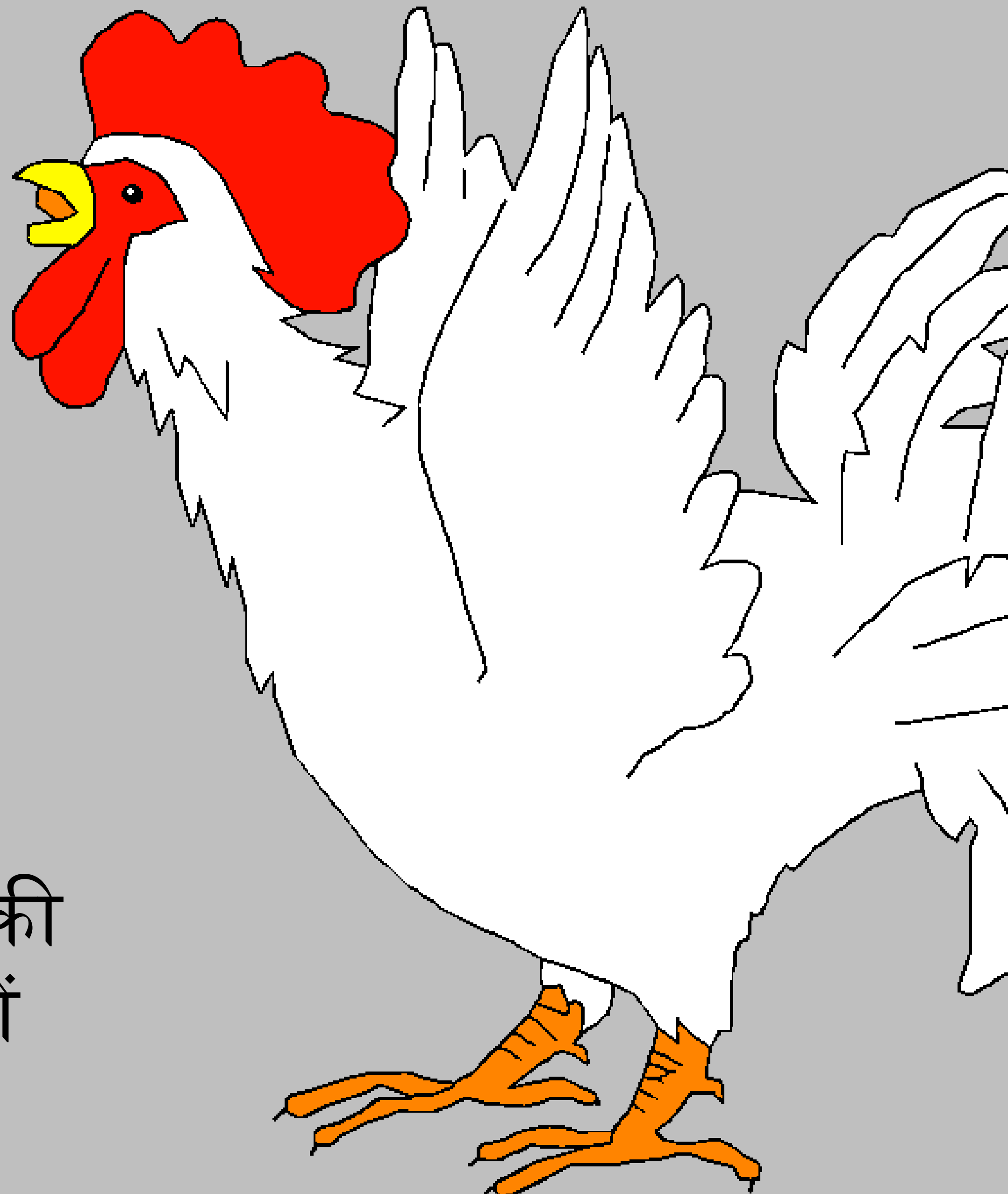

तभी मुर्गे ने बांग दी। यह जैसे पतरस के लिए खुदा की आवाज़ थी। यीशु की बातों को याद करते हुए, पतरस फूट-फूट कर रोया।

यहूदा को भी अफ़सोस हुआ। वह जानता था कि यीशु किसी पाप या अपराध का दोषी नहीं है। यहूदा चाँदी के **30** टुकड़े को वापस लेकर गया मगर याजकों ने उसे नहीं लिया ।

यहूदा ने पैसे नीचे फेंक दिए, बाहर चला गया - और खुद को फाँसी लगा ली।

याजक रोमी प्रधान पिलातुस के सामने यीशु को ले आए। पीलातुस ने कहा, "मुझे इस आदमी में कोई खराबी नहीं मिली ।" लेकिन भीड़ चिलाती रही, "इसे सलीब दो! इसे सलीब दो!"

अंत में पिलातुस ने मज़बूर होकर यीशु को सलीब पर मरने की सजा सुनाई। सैनिकों ने यीशु को घुसे मारे, उसके चेहरे पर थूका और उसे कोड़े मारे। उन्होंने लंबे नोकीले कांटों का एक क्रूर ताज़ बनाया और उसे उसके सिर पर रखकर दबा दिया। फिर उन्होंने उसे मारने के लिए एक लकड़ी की सूली पर कीलो से लटका दिया।

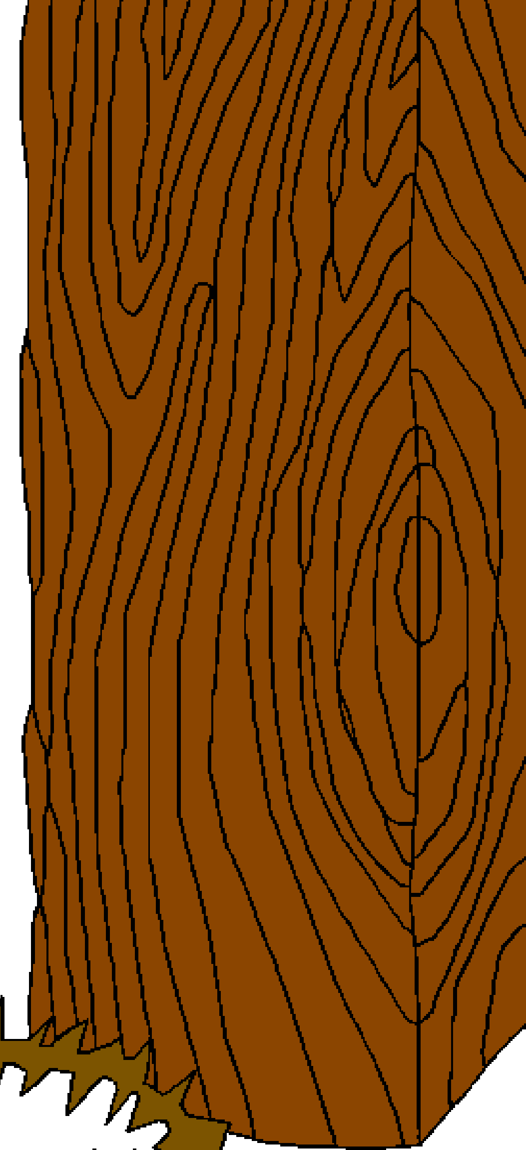

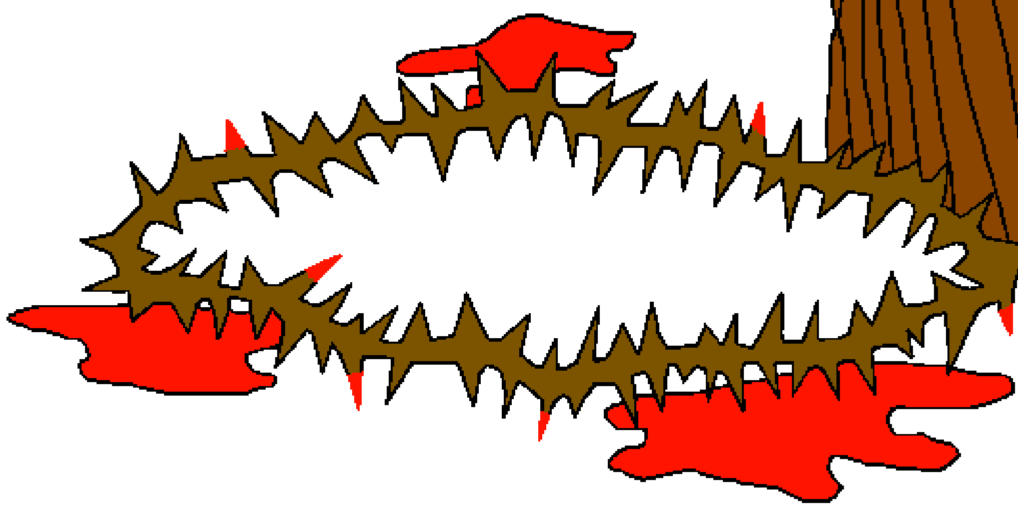

यीशु हमेशा जानता था कि वह इस तरह मारा जाएगा। वह यह भी जानता था कि उसकी मौत उन पापियों के लिए माफ़ी लाएगी, जो उस पर भरोसा करेंगे। यीशु के साथ दो अपराधियों को भी सलीब पर चढ़ाया गया था। एक यीशु पर ईमान लाया - और स्वर्गलोक चला गया। दूसरे ने नहीं किया।

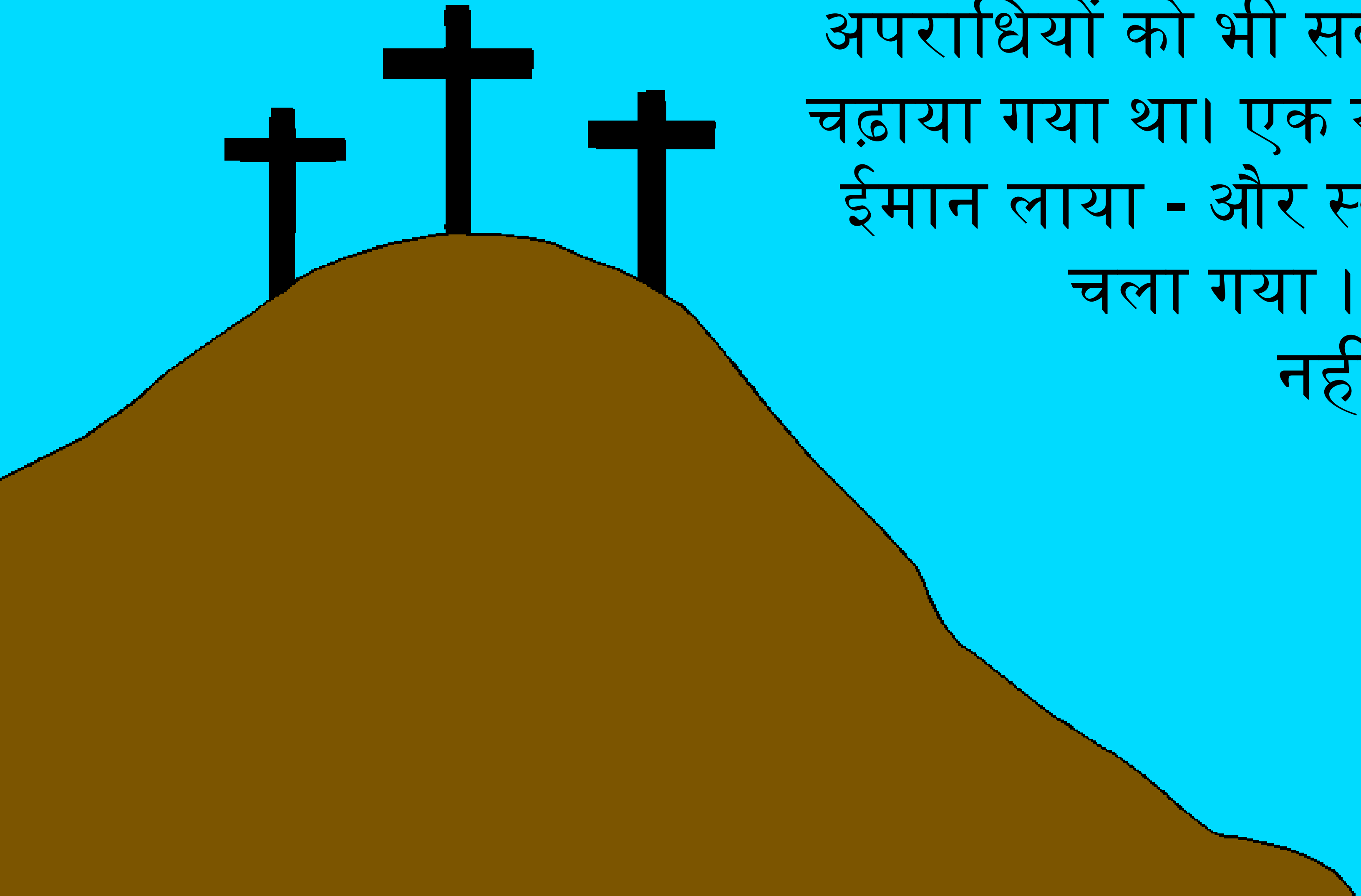

कई घंटों के दुख के बाद, यीशु ने कहा, "पूरा हुआ," और मर गया। उसका काम पूरा हो गया था। दोस्तों ने उसे एक निजी कब्र में दफनाया।

तब रोमी सैनिकों ने कब्र पर मोहर लगाई और उसकी रखवाली की। अब कोई भी अंदर - या बाहर नहीं जा सकता था।

अगर यह कहानी का अंत
होता, तो यह कितना दुखद
होता। लेकिन खुदा ने
कुछ अनोखा किया।
यीशु मरा नहीं रहा!

हफ्ते के पहले दिन तड़के सुबह,
यीशु के कुछ चेलों को कब्र से
पत्थर को लुढ़का हुआ पाया।
जब उन्होंने अंदर देखा,
यीशु अब वहाँ
नहीं था।

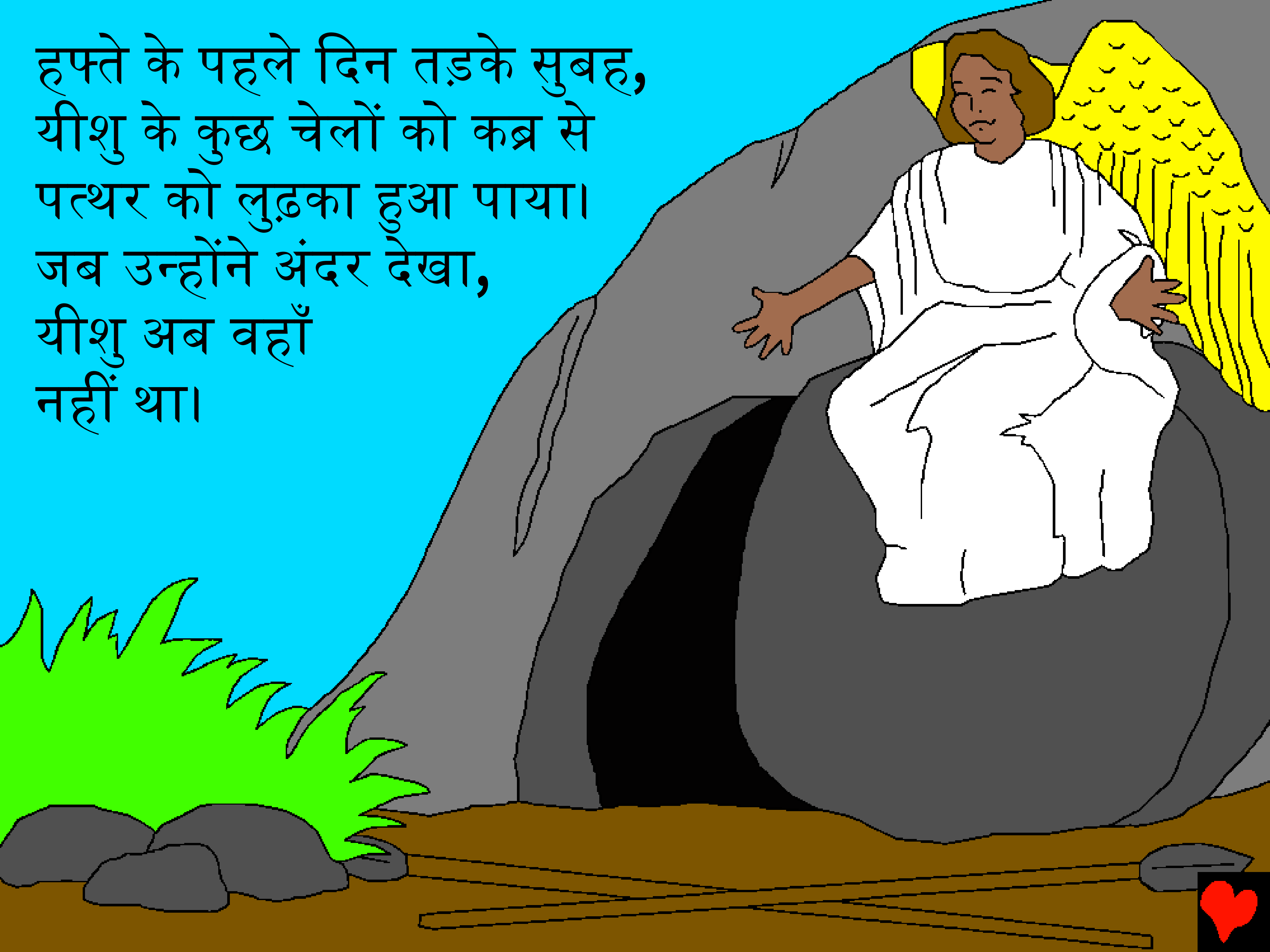

एक औरत रोते हुए कब्र पर रुकी। यीशु उसे दिखाई दिया! वह दूसरे चेलों को बताने के लिए खुशी-खुशी दौड़ी।
"यीशु जिंदा है! यीशु मरे हुओ में से वापस आ गया है!"

जल्द ही यीशु चेलों के पास आया, और उन्हें कीलों से छिदे हुए अपने हाथ दिखाए। यह सच था। यीशु ने फिर से ज़िन्दा था! उसने पतरस को उसका इंकार करने के लिए माफ़ कर दिया, और अपने चेलों से उसके बारे में हर किसी को बताने के लिए कहा। फिर वह आसमान में वापस चला गया जहाँ से वह आया था।

पहला ईस्टर

खुदा के कलाम, बाईबल में से कहानी

में मिलती है

मत्ती **26-28,** लुका **22-24,**
यूहन्ना **13-21**

“तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है।”
भजन संहिता **119:130**

खतम

बाईबल की यह कहानी हमें हमारे अनोखे खुदा के बारे में
बताती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि तुम उसे जानों।

खुदा जानता है कि हमने बुरे काम किए हैं, जिसे वह गुनाह कहता है। गुनाह की सजा मौत है, लेकिन खुदा तुमसे बहुत मोहब्बत करता है, उसने अपने इकलौते बेटे यीशु को भेजा, सलीब पर मरने और तुम्हारे गुनाहों की सजा के लिए। फिर यीशु दोबारा ज़िंदा हो गया और अपने घर स्वर्ग वापस चला गया! यदि तुम यीशु पर ईमान लाते हो और उसे तुम्हारे गुनाहों को माफ़ करने के लिए कहते हो, तो वह ऐसा करेगा! वह अब आएगा और तुम में वास करेगा, और तुम हमेशा उसके साथ रहोगे।

यदि तुम्हें लगता है कि यह सच्चाई है, तो खुदा से यह कहो: प्यारे यीशु, मेरा ईमान है कि तु खुदा है, और मेरे गुनाहों के कारण मरने के लिए एक इंसान बन गया, और अब तु फिर से जिन्दा है। कृपया मेरे जीवन में आ जा और मेरे गुनाहों को माफ़ कर दे, ताकि मेरे पास अब नया जीवन हो और एक दिन हमेशा के लिए तेरे पास आ जाऊँ। तेरी बात मानने और तेरे बच्चे के जैसे तेरे लिए जीने में मेरी मदद कर। आमीन।

बाईबल पढ़ें और हर दिन खुदा के साथ बात करें! यहुन्ना 3:16